ज्वालामुखी योग - 31

अव्यक्त बापदादा :- (31/12/2011)

➳ _ ➳ बापदादा आज अमृतवेले चारों ओर, चाहे विदेश चाहे देश, चारों ओर चक्र लगाने गये। तो क्या देखा? योग में अमृतवेले बैठते मैजारिटी हैं लेकिन स्नेह में बैठते हैं, बापदादा से बातें भी करते हैं, आत्मिक स्मृति में भी बैठते,बापदादा से शक्ति भी लेते हैं लेकिन अभी बापदादा आने वाले नये वर्ष में नवीनता चाहते हैं क्योंकि अभी समय दिन प्रतिदिन नाजुक आना ही है।

➳ _ ➳ तो ऐसे समय पर अभी ज्वालामुखी योग चाहिए। वह ज्वालामुखी योग की आवश्यकता अभी आवश्यक है। ज्वालामुखी योग अर्थात् लाइट माइट स्वरूप शक्तिशाली, क्योंकि समय प्रमाण अभी दु:ख, अशान्ति, हलचल बढनी ही है इसलिए अपने दु:खी, परेशान आत्माओं को विशेष ज्वालामुखी योग द्वारा शक्तियां देने की आवश्यकता पड़ेगी। दु:ख अशान्ति के रिटर्न में कुछ न कुछ शक्ति, शान्ति अपने मन्सा सेवा द्वारा देनी पड़ेगी।

➳ _ ➳ जो आपने इस समय की टॉपिक रखी है, एक परिवार। उसके प्रमाण जब एक परिवार है, तो अशान्त आत्माओं को कुछ तो अंचली देंगे इसीलिए बापदादा अगला वर्ष जो आया कि आया उसके लिए विशेष अटेन्शन खिचवा रहे हैं कि अभी ज्वालामुखी योग की आवश्यकता है। ज्वालामुखी योग द्वारा ही जो भी संस्कार रहे हुए हैं वह भी भस्म होने हैं।

➢➢ एक परिवार

➳ _ ➳ One God one world family

➳ _ ➳ ये भावना कैसे तीव्र हो और कैसे लगे कि संसार की हर आत्मा हमारी है अपने पन की भावना बढे इसके लिए क्या किया जाए ??

→ अनादि स्वरूप मे देखना

→ **आत्मा भाई भाई के रूप मे देखना**

→ पूर्वज है हमारी वंशावली है

→ मनसा सेवा की जाए सब आत्माओ की

→ feeling of brotherhood

→ सबकुछ अपने नजर आए हर आत्मा हर पशु पक्षी से प्यार हो

→ इस अस्तित्व मे जो कुछ है जो भी है जड चेतन मनुष्यात्मायें वो सब हमारे है

→ इसके लिए कौन सी कैसी मनसा सेवा करें

- कुछ अभ्यास जो सभी को करने है

➳ _ ➳ 1 इस तन मे बैठे बैठे अभ्यास करना

→ **एक ही जगह बैठकर - मैं परम पवित्र आत्मा हूं और मुझ से इस भृकुटि से किरणें निकल रही है और हर आत्मा तक पहुंच रही है**

→ हर आत्मा उन किरणों को कैच कर रही है

→ यह अभ्यास इस देह मे रहते करना है

→ चलते फिरते इस संसार की एक एक आत्मा एक परिवार की आत्मायें है मेरे परिवार की आत्माये है

➳ _ ➳ 2. सूक्ष्म वतन मे

→ सूक्ष्म वतन मे हम फरिश्ता स्वरूप मे है

→ सभी आत्माओं को ईमर्ज किया

■ दुखी अतृप्त अशांत भटकती हुई आत्मायें रोती हुई चिल्लाती हुई गरीब तडपती हुई आत्मायें उनको ईमर्ज करना

→ सूक्ष्म वतन मे उनकी सेवा करना उनके प्रति अपनापन का भाव लाना

→ **उन आत्माओ को ईमर्ज करना जिनके साथ कडे हिसाब है व रोज उनसे किसी न किसी रूप मे माया आती है**

→ उस आत्मा को सकाश देना माफी मांगना माफ करना बाते करना

➳ _ ➳ 3. परमधाम मे

→ मैं आत्मा परमधाम में हूं पवित्रता की सारी किरणें मुझ मे आ रही है

→ मुझसे सारी किरणे संसार की सभी आत्माओं मे जा रही हैं

➳ _ ➳ फरिश्ता स्वरूप मे

→ **फरिश्ता स्वरूप मे भिन्न स्थानो पर जाकर - मुख्य रूप से पांच खंड और पांच महासागर यूरोप के ऊपर जाना**

→ वहां से सभी आत्माओं पर अपनेपन की भावना ये सब मेरे परिवार की आत्मायें है

→ अफ्रीका अमरीका आस्ट्रेलिया एशिया ये पांच खंड एक एक खंड पर जाना

→ वहां की आत्माओं का आवाहन करना बात करना सकाश देना

➳ _ ➳ 5. कल्प वृक्ष की जड़ो में

→ ऐसा काम जिससे हमारा सभी आत्माओं से कनेक्शन जुड जाए कल्प वृक्ष की जड़ो मे बैठ जाना और वहां से किरणें फैलाना सम्पूर्ण वृक्ष मे

➽ _ ➽ 6. गोला

→ **गोले के ऊपर बैठ जाना या गोले को हाथ मे ले लेना और सम्पूर्ण गोले को सकाश देना**

→ या गोले के ऊपर खडे हो जाना और मेरे पैरो से पवित्रता की किरणें निकल पांचो तत्वो मे जा रही है

→ पांचो तत्व शुद्ध शुद्ध हो रहे है

→ पांचो महासागर को सकाश वायुमंडल को सकाश पांचो तत्वो को सकाश

➢➢ 7. ब्राह्मण परिवार को सकाश

➽ _ ➽ मधुबन

→ पांडव भवन के ऊपर पहुंच जाना

→ इस स्थान को सकाश पवित्र भूमि को सकाश

→ **सबको सकाश सब मे पुरूषार्थ के लिए उमंग उत्साह भर देना**

➽ _ ➽ ज्ञान सरोवर

→ शिविर वाले कान्फ्रेस वाले वहां आने वाली व रही हुई आत्माओं को उन सभी आत्माओं को पवित्रता की किरणे, परमात्म प्रेम की किरणें देना

➽ _ ➽ पीस पार्क

→ दिनभर मे जो भी आत्मायें आने वाली है पहले से ही उनको सकाश

→ पांडव भवन मे जो भी टूरिस्ट आज आने वाले है उनको पहले ही सकाश देना है कि यहां आते ही ईश्वरीय प्रेम का जागरण हो जाए

➽ _ ➽ म्यूजियम

→ जो भी आत्माये आ रही है उन सबको सकाश देना

➽ _ ➽ आबू निवासी

→ जो यहां रहते है उन सब को सकाश

➽ _ ➽ हास्पीटल

→ **a - आत्मा - जो भी मरीज है आत्मायें है उनको सकाश**

→ b - body - उनका देह है उसको सकाश

→ c - company - जो भी उनके साथ है उनको सकाश

→ d - डाक्टर्स को सकाश

➳ _ ➳ शांति वन

→ **ऊपर जाना जो भी आत्मायें आ रही है शिविर मे, भट्टी मे, जो वहां रह रही है सब को सकाश**

➳ _ ➳ संगम भवन रेलवे स्टेशन

➳ _ ➳ तलहटी निवासी बी के कालोनी

➳ _ ➳ ट्रामा हास्पीटल

➳ _ ➳ शिव मणि

➳ _ ➳ नर्सिग स्कूल

➳ _ ➳ सारे पार्क और तपोवन

➳ _ ➳ सभी बीके सेवा केन्द्र

→ एक एक केन्द्र पर जाना व संदली पर सूक्ष्म मे बैठना

→ शक्तिशाली संकल्प करना मै मा. सर्वशक्तिमान हूं विघ्नविनाशक हूं

→ **हर एक सेवा केन्द्र निर्विघ्न वहां के वातावरण को शक्तिशाली बनाना**